मुठभेड़ में गोली लगने से चोर घायल

सोनरई-कोठारपुरवा मार्ग पर घेराबंदी के दौरान चोरों ने पुलिस टीम पर झोंका फायर

कार्रवाई

- कपड़ा-सब्जी बेचने के बहाने रेकी करके घटना को देते थे अंजाम
- दूसरा साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा

श्रावस्ती, संवाददाता। देर रात शातिर चोरों को पकड़ने गई पुलिस व एसओजी टीम तथा चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। घेराबंदी के दौरान चोरों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया, जिसमें पुलिस के जवान बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से एक अपराधी घायल हो गिर गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि मौके से उसका साथी फरार होने में सफल रहा। इकौना थाना क्षेत्रों में बीते कुछ दिन पहले हुई चोरी मामले में पुलिस चोरों की तलाश कर रही थी।

एसपी की ओर से चोरी की घटनाओं को खोलने के लिए टीमें बनाई गई थी। गुरुवार रात पुलिस को सूचना मिली थी कि चोरों का एक गिरोह चोरी की योजना बनाकर जा रहा है। सूचना मिलते ही इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक इकौना, गिलौला पुलिस व एसओजी टीम के साथ मुखबिर के बताए मार्ग सोनरई से कोठारपुरवा जाने वाले मार्ग पर

पुलिस की गोली से घायल बदमाश को ले जाती पुलिस।

नाकेबंदी की। इस दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों में से एक ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जिसमें पुलिस कर्मचारी बाल बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से एक अपराधी घायल हो मौके पर गिर गया। पुलिस ने उसे धर दबोचा। वहीं उसका दूसरी साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। घायल बदमाश की पहचान सलमान पुत्र झगरू निवासी आगापुरवा कोतवाली देहात जनपद बहराइच के रूप में हुई। जिसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले का खुलासा करते हुए एसपी राहुल भाटी ने बताया कि मौके से एक अन्य आरोपी फरार होने में सफल रहा। जिसकी पहचान मैसर पुत्र हनीफ निवासी कन्दौसा थाना बौंड़ी जिला बहराइच के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि नौ सितम्बर को जयचन्दपुर कटघरा में संदीप पाण्डेय व पवन शुक्ला के यहां बड़ी चोरी हुई थी।

चोरी में सलीम पुत्र ताहिर खान निवासी बेहनन पुरवा थाना सोनवा, दौलत अली पुत्र मंसूर अली निवासी मीरामऊ थाना गिलौला व मुन्ना उर्फ नौसाद पुत्र मोहम्मद अहमद निवासी बड़ा इमाम बाड़ा गरीब नवाज मदरसा व काशी राम कालोनी के पास थाना कोतवाली नगर गोण्डा का नाम भी प्रकाश में आया है। इनका एक गिरोह है जो कपड़ा, सब्जी बेचने के बहाने गांवों में जाकर रेकी करते थे। फिर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पकड़े गए अपराधी के कब्जे से नकदी, जेवर व तमंचा बरामद कर जब्त किया गया है।